|  |
| --- |
| 29. Januar 2023 |
| **04. Sonntag im Jahreskreis A** |
| Erste Lesung: Zef 2,3; 3,12-13; Zweite Lesung: 1 Kor 1,26-31; Evangelium: Mt 5,1-12a |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 143, 1+2 | Mein ganzes Herz |
|  | GL 140, 1-3 | Kommt herbei |
|  |  |  |
| Kyrie: | entfällt, wenn GL 481 |
|  | GL 161 | Du rufst uns, Herr |
|  | GL 155 | Kyrie |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 172 | Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 146,5 u. 7.8-10 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 312, 7 | Herr, du hast Worte ewigen Lebens |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 142, 2 | Herr, zeige uns die Wege dein |
|  | oder |  |
|  | GL 543, 1+4 | Wohl denen, die da wandeln |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Freut euch und jubelt:* |
|  | *Euer Lohn im Himmel wird groß sein.*  |
|  |  |  |
| Credo: | GL 794 | Wir glauben, Herr |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 458 / 459, 1-4 | Selig seid ihr |
|  | GL 146, 1-4 | Du rufst uns, Herr, an deinen Tisch |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 800 | Herr, gib uns deinen Frieden |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 651, 7+8 | Seligpreisungen |
|  | GL 211 | Wir rühmen dich, König |
|  | GL 453, 1-4 | Bewahre uns, Gott |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |